हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 23 जून 2026

11 दबाव की नीति से बीएलओ परेशान 24 घंटे में दो बार ...

12 चेक बांउस होने पर कंपनी अधिकारियों के विरुद्ध...

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING 2 Years GNM Pass
GNM 3 Years 12th Any Stream No Fees for S.C. Students
ANM 2 Years 12th Any Stream No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING 4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933

खबर संक्षेप

रुपयों से भरा बैग चोरी करने का आरोपी पकड़ा

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने अधिवक्ता के चेंबर से बैग चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अधिवक्ता भीम सिंह ने थाना सिविल लाइन भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने चेंबर में बैठकर न्यायालय संबंधी कार्य कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना बैग चेंबर में रखा हुआ था। कुछ समय बाद अज्ञात व्यक्ति उनके चेंबर से बैग चोरी कर ले गया। बैग में नकदी, महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा फोन रखा था। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन भिवानी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के मुख्य सिपाही हरि सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को भगत सिंह चौक, भिवानी क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी की पहचान रविकांत निवासी गांव कलिंगा, जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया फोन बरामद कर लिया है।

पं. पूर्णचन्द भारद्वाज को किया सम्मानित

भिवानी। जिला ब्राह्मण परिषद भिवानी ने बवानीखेड़ा निवासी 100 वर्षीय पं. पूर्णचन्द भारद्वाज को उनके निवास स्थान पर पहुंच कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से परिषद के पंचायत प्रकोष्ठ अध्यक्ष सत्यनारायण कौशिक, प्रवक्ता भागमल शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, प्राचार्य उमेश शर्मा, जितेन्द्र कौशिक, अमन भारद्वाज, अशोक चौहान, नगर परिषद के पूर्व वायस चेयरमैन महेश कुमार उपस्थित रहे। पं. पूर्णचन्द भारद्वाज को सम्मानित करते हुए परिषद के अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य शीलकराम शर्मा ने उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने बताया कि पं. पूर्णचन्द बुजुर्ग होते हुए शरीर से स्वस्थ हैं। यह सब सादा खाना और कठिन परिश्रम का परिणाम है।

करीब 40 दिनों के बाद नहरों में पहुंचा पानी, मिलेगी थोड़ी राहत

सिर्फ 1500 क्यूसेक पानी मिला, कैसे पहुंचेगा टेल तक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

करीब 40 दिनों के अंतराल के बाद सोमवार अल सुबह जिले की नहरों में पानी पहुंच गया। पर जितना सिंचाई विभाग ने पानी मांगा था। उतर पानी नहीं मिल पाया। जिले की नहरों को 2250 क्यूसेक की अपेक्षा मात्र 1500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे तीनों नहरों (सुंदर, मिताथल व जुई फीडर) में पानी कम मिला है। पानी की कमी के चलते तीनों नहरों के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाया है। अगर पानी की यही चाल रही तो इन नहरों के अंतिम छोर पर पड़ने वाले गांवों के जलघर व खेत बिना सिंचाई के रहने के आसार बन गए है। हालांकि कम पानी मिलने के बाद भी समस्या झेल रहे लोगों को कुछ हद तक पानी की सप्लाई की राहत तो मिलेगी,लेकिन समस्या से पूरी तरह से छुटकारा नहीं मिल पाएगा। उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जिले की नहरों के लिए 2250 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी,लेकिन पीछे से जिले की नहरों के लिए केवल 1500 क्यूसेक ही पानी छोड़ा गया है।

भिवानी। पानी की कमी के चलते जुई नहर में कम छोड़ा गया पानी। फोटो : हरिभूमि

2250 क्यूसेक की थी उम्मीद, लेकिन 750 क्यूसेक पानी कम मिला, टेल पर पड़ने वाले जलघर रह जाएंगे खाली

तीनों नहरों (सुंदर, मिताथल व जुई फीडर) को पानी कम मिला

सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 950 क्यूसेक की बजाए 700 क्यूसेक पानी चलाया जा रहा

चौथे तो कहीं पर पांचवें दिन पहुंच रही पानी की सप्लाई

भिवानी शहर के अधिकांश जलघरों के टैंक जवाब दे गए। पानी नाममात्र ही बचा है। जो नहरी पानी पहुंचा है वह पानी आज शाम तक जलघरों तक पहुंचने की उम्मीद है। टैंकों में जो पानी बचा है। उस पानी से ही शहर के लोगों की प्यास बुझाई जा र ही है। पानी की कमी के चलते कई इलाकों में तो चौथे दिन तथा कई क्षेत्रों में पांचवे दिन पानी की सप्लाई दी जा रही है। जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए दूर दराज के क्षेत्रों में लगे हैंडपैम्प या टैंकर मंगवा कर अपना काम चलाना पड़ रहा है। यह स्थिति अधिकांश शहर में बनी हुई है। अब देखना ये है कि जलघरों में पानी पहुंचने के बाद कब तक पीने के पानी की सप्लाई नियमित होती है या नहीं।

खेतों की सिंचाई पूरी तरह से प्रभावित होगी

पानी की कमी के चलते सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 950 क्यूसेक की बजाए 700 क्यूसेक पानी चलाया जा रहा है। इसी तरह मिताथल फीडर में 350 तथा जुई फीडर में 450 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जबकि जुई फीडर के लिए साढे आठ सौ क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी। फिलहाल इन नहरों में कम पानी पहुंचने से इनसे निकलने वाले माइनर व इनके अंतिम छोर तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाएगा। जिस वजह से खेतों की सिंचाई पूरी तरह से प्रभावित होगी। साथ में इन पर पड़ने वाले जलघरों के टैंकों तक पानी नहीं पहुंच पाएगा।

बारिश के सीजन से पहले तालु-मुंढाल लिंक ड्रेन की सफाई करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

वर्षा ऋतु के आगमन से ठीक पहले भिवानी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। इसी कड़ी में तालु-मुंढाल लिंक ड्रेन की बदहाली और सफाई न होने के कारण दर्जनों गांवों पर मंडरा रहे बाढ़ के खतरे को देखते हुए पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने सोमवार को भिवानी के उपायुक्त को समाधान शिविर में मांग पत्र सौंपा। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने और युद्ध स्तर पर ड्रेन की सफाई करवाने की पुरजोर अपील की है।

ड्रेन की बदहाली और सफाई न होने के कारण दर्जनों गांवों पर मंडरा रहा बाढ़ का खतरा

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने ड्रेन के निरीक्षण और तकनीकी खामियों का हवाला देते हुए उपायुक्त के समक्ष तीन प्रमुख कारण रखे हैं, जो वर्षा के दिनों में तालु गांव के खेतों और आबादी में जलभराव (बाढ़) का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि मुंढाल से शुरू होकर तालु के खेतों और सुन्दर ब्रांच नहर के नीचे से गुजरते हुए कुंगड़ और बडसी गांव की तरफ जाने वाली इस लिंक ड्रेन का लगभग एक किलोमीटर का हिस्सा आज भी पूरी तरह कच्चा है। इस हिस्से की आज तक सही ढंग से सफाई नहीं हुई है, केवल खानापूर्ति की गई है। वर्तमान में इस ड्रेन में 5 फीट से लेकर 10 फीट ऊंचे झाड़, बोझड़े, झूंड और सरकंडे खड़े हैं, जिससे पानी का बहाव पूरी तरह बाधित है। मान ने कहा कि तकनीकी रूप से ड्रेन का लेवल मुंढ़ाल से तालु और कुंगड़ की तरफ 6 फीट नीचे होना चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। कुंगड़ की तरफ का लेवल 6 फीट ऊंचा है। इस गलत ढलान के कारण पानी आगे बहने के बजाय वापस बैक मारता है, जिससे तालु के खेतों और गांव की आबादी देह में भारी जलभराव हो जाता है। मान ने कहा कि ड्रेन का लगभग 300 फीट का हिस्सा सुन्दर ब्रांच नहर के बैड के नीचे से होकर गुजरता है। इस हिस्से की अच्छी तरह से सफाई न होने के कारण पानी ओवरफ्लो हो जाता है और बैक मारकर तालु गांव के खेतों से होता हुआ ग्रामीणों के घरों में घुस जाता है। मान ने कहा कि जितना पैसा इस ड्रेन की सही समय पर स्थाई सफाई में नहीं लगता, प्रशासन और सरकार की ढिलाई के कारण उससे कई गुना ज्यादा पैसा बाद में गांवों से पानी निकालने में खर्च हो जात है।

भिवानी। ड्रेन में उगे सरकंडे व अन्य घास।

शॉर्ट सर्किट से ग्राम सेवा केंद्र कुंगड़ के 99 स्टोर में रात को सवा नौ बजे लगी आग, हजारों का सामान जला

बवानीखेड़ा। ग्राम सेवा केंद्र कुंगड़ के 99 स्टोर में रविवार रात को शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। आग लगने की घटना से स्टोर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि स्टोर में मौजूद कर्मचारियों और आसपास के लोगों की सूझबूझ तथा तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। स्टोर संचालक जगबीर शास्त्री ने बताया कि रात करीब सवा 9 बजे के बाद स्टोर के ऊपर जाने वाले रास्ते के पास अचानक आग की लपटें दिखाई दीं। देखते ही देखते आग ने आसपास रखे सामान को चपेट में लेना शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्टोर में मौजूद स्टाफ ने तुरंत आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में सहयोग किया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग लगने से स्टोर में रखा हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। जगबीर शास्त्री ने बताया कि यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो यह पूरे स्टोर में फैल सकती थी।

फर्जी पर्ची से एंट्री करने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तोशाम

थाना तोशाम पुलिस ने खानक पहाड़ में बिना वैध पर्ची के पत्थर से भरे वाहनों की अवैध एंट्री कर सरकारी राजस्व को हानि पहुंचाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इस संबंध में जसवीर, प्रोजेक्ट मैनेजर, एचएसआईआईडी द्वारा थाना तोशाम में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा खानक पहाड़ में बिना पर्ची पत्थर से भरे वाहनों की अवैध एंट्री करवाई जा रही है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। शिकायत के अनुसार 18 जून को एक वाहन खानक पहाड़ में प्रवेश करता पाया गया, जिसका कोई ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था।

शिकायत के आधार पर थाना तोशाम में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया। थाना तोशाम के एएसआई राजेश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सोनू पुत्र राजेश निवासी दरियापुर, मनदीप पुत्र राज्यपाल निवासी खानक तथा विजेंद्र पुत्र सत्यवान निवासी बिड़ोला के रूप में हुई है।

जसवीर, प्रोजेक्ट मैनेजर, एचएसआईआईडी ने दर्ज करवाई थी शिकायत, अधिकारी ने खानक पहाड़ से बिना पर्ची पत्थर चोरी करने के लगाए थे गंभीर आरोप

प्रिंटर एवं फोन बरामद

पुलिस टीम द्वारा आरोपी सोनू के कब्जे से एक प्रिंटर एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरोपी मनदीप से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जबकि आरोपी विजेंद्र के कब्जे से पत्थरों से भरा एक डंपर बरामद किया गया, जिसका प्रयोग वारदात में किया गया था।

बीडीपीओ ने पंचों को भेजा पत्र, उपस्थित होने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बहल

ग्राम पंचायत सुरपुरा कला में कार्यवाहक सरपंच के चयन को लेकर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) बहल ने पंचायत के सभी निर्वाचित पंचों को पत्र जारी किया है। इसमें गांव के कार्यवाहक सरपंच के चयन के लिए 26 जून को सुबह 11 बजे ग्राम सचिवालय, सुरपुरा कला में बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें सभी पंचों को उपस्थित होने को कहा गया है।

■ **26 को होगी सुरपुरा कला में बैठक कार्यवाहक सरपंच का होना है चयन**

उपायुक्त भिवानी द्वारा पूर्व सरपंच राजेश पूनिया को शैक्षणिक योग्यता पूर्ण नहीं करने के कारण सरपंच पद से पदच्युत कर दिया गया था। पंचायत के कार्यों को समुचित संचालन के लिए कार्यवाहक सरपंच चुना जाना है। इसलिए, पंचायत के बहुमत वाले पंच को कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बैठक में ग्राम पंचायत सुरपुरा कला के सभी 10 पंचों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में अंकित किया गया है कि अनुपस्थित रहने वाले पंचों के विरुद्ध उपायुक्त भिवानी द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी बहल द्वारा जारी आदेश की प्रतियां उपायुक्त भिवानी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को भी सूचनार्थ भेजी गई हैं। वहीं समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी को बैठक के लिए विस्तार अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्राम सचिव को निर्देश दिए गए हैं कि सभी पंचों को नोटिस तामील करवाकर उसकी पावती खंड कार्यालय में जमा करवाना सुनिश्चित करें तथा बैठक का सफल आयोजन करवाएं।

मानसून की तैयारियों को लेकर नपा अध्यक्ष ने लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बवानीखेड़ा

नपा अध्यक्ष सुंदर अत्री ने कस्बे के वार्ड 15 एवं 16 का दौरा कर मानसून के दौरान जल निकासी व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

पापलैंड एवं जेसीबी से तालाबों की सफाई की जा रही

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए ताकि बरसात के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि कस्बे में कुछ ऐसे तालाब हैं जो बरसाती पानी की निकासी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस से गली की नली नालों का पानी निकासी भी सुचारू रूप से चल पड़ेगी। नगर पालिका एवं प्रशासन के अथक प्रयासों से पापलैंड एवं जे .सी .बी मशीनों से इन तालाबों की सफाई एवं सुधार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का सुचारू निकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नगर पालिका मानसून से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। नालों, नालियों एवं जल निकासी के अन्य स्त्रोतों की नियमित सफाई करवाई जा रही है ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। नपा अध्यक्ष ने स्थानीय सम्मानित वार्ड वासियों से भी निवेदन किया कि सफाई व्यवस्था को बनाने और बनाए रखने में आम नागरिक की अहम भूमिका होती है।

दस माह बीतने पर मनीषा हत्याकांड का नहीं हुआ खुलासा

मनीषा के पिता संजय 29 को बैठेंगे आमरण पर

मनीषा के पिता बोले अनुमति मिले या ना मिले, मैं आमरण अनशन करूंगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

जिले का बहुचर्चित टीचर मनीषा मर्डर मिस्ट्री केस एक बार सुर्खियों में है। सोमवार का मनीषा के पिता डीसी से आमरण अनशन की अनुमति लेने पहुचे पर डीसी नहीं मिले। पिता ने कहा कि अनुमति मिले ना मिले, कोई साथ दे ना दे, मैं हर हाल में 29 जून को डीसी ऑफिस के बाहर आमरण अनशन पर बैठूंगा। भिवानी जिले के ढाणी लक्ष्मण निवासी 19 वर्षीय मनीषा बीते साल 11 अगस्त को लापता हुई थी। दो दिन बाद 13 अगस्त को खेतों में उसका शव मिला था। आनन फ़ानन में लोहारू थाना के सभी कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया। एसपी का तबादला किया गया। कई दिन बाद सरकार ने केस सीबीआई को दिया तो परिजनों ने मनीषा का 21 अगस्त को अंतिम संस्कार किया।

भिवानी। आमरण अनशन की अनुमति लेने पहुंचे मृतक मनीषा के पिता संजय।

10 महीने बीतने के बाद भी नहीं हुआ खुलासा

केस सीबीआई को जाने के बाद सीबीआई टीम कई बार गांव जाकर परिजनों व केस से जुड़े संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर चुकी है। पर अब 10 महीनों से भी ज्यादा समय बीतने और अब तक कोई खुलासा नहीं हुआ। पिता ने 29 जून से भिवानी डीसी ऑफिस पर आमरण अनशन करने का बड़ा फ़ैसला लिया है। संजय कुमार ने मीडिया से कहा कि मैं 29 जून के आमरण अनशन की अनुमति लेने आया था। पर डीसी नहीं मिले। फिर कहा कि अनुमति मिले या ना मिले, कोई साथ आए या ना आए, मैं हर हाल में 29 जून को आमरण अनशन पर बैठूंगा। पिता संजय ने कहा कि ये कोई शादी नहीं, मैंने किसी को अनशन पर आने का निमंत्रण नहीं दिया है।

देश को टीबी मुक्त करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग की कवायद तेज

अब हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों से टीबी स्क्रीनिंग होगी आसान, गांवों में विशेष अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

देश को टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को गति देने के लिए जिले में जल्द ही आधुनिक स्क्रीनिंग प्रक्रिया को और मजबूत किया जा रहा है।

हैंडहेल्ड (हाथ में उठाने योग्य) एक्स-रे मशीनों के आने से मौके पर ही मरीजों की पहचान में तेजी आएगी। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. सुमन विश्वकर्मा के आदेशानुसार और धनाना के एसएमओ डॉ. नागेश महर्षि की अध्यक्षता में विशेष एक्स-रे अभियान चलाया। कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर राजेश कुमार (फार्मेसी ऑफिसर) और स्वास्थ्य निरीक्षक राजेश कुमार की देखरेख में स्वास्थ्य टीम ने गांवों में जाकर अभियान को सफलतापूर्वक चलाया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन आधुनिक हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों के आने से टीबी स्क्रीनिंग प्रक्रिया अधिक प्रभावी और तेज हो जाएगी। इसके माध्यम से बड़े पैमाने पर जांच कर मरीजों की तुरंत पहचान की जा सकेगी। इस मशीन की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित तकनीक पर काम करती है, जिससे मरीजों की लाइव स्क्रीनिंग भी संभव होगी। इस मशीन की सहायता से मरीज को सीधा खड़ा करके आसानी से एक्स-रे किया जा सकता है।

■ **एआई तकनीक से लैस है हैंडहेल्ड मशीन, लाइव होगी स्क्रीनिंग : एसएमओ**

हरिभूमि

सहेली

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं। इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर aझलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विवश करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैंपरिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डेनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डेन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डेन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरे अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डेनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना। त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेशवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल
गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हों की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

खबर संक्षेप

पटौदी में निकाली गई जागरूकता रैली

तोशाम। गांव पटौदी में भ्रूण हत्या न करने व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक रैली निकाली गई। रैली निकालकर कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया। वहीं लिंग अनुपात को लेकर चिकित्सक साहिल की अध्यक्षता में एक बैठक भी की गई। रैली का गांव में व्यापक प्रभाव देखने को मिला। चिकित्सक सादिक ने कहा कि बेटियां अब बोझ नहीं, बल्कि देश का भविष्य हैं। उन्होंने चिंता जताई कि वर्तमान समय में कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर और गैरकानूनी अपराध अब भी हो रहे हैं, जिससे समाज का लिंगानुपात लगातार बिगड़ रहा है।

मिड-डे-मील कर्मी के साथ होता है सबसे अधिक भेदभाव

भिवानी। केंद्रीय श्रमिक संगठन आल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) 24 जून को भिवानी में मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा के आह्वान पर प्रदेश स्तरीय मिड डे मील कर्मियों की मांगो पर होने वाले प्रदर्शन का पूरा समर्थन करता है एवं सरकार से मांग करता है कि प्रदेश की मिड डे मील कर्मियों की जायज मांगों को अविलंब मान लिया जाए। एआईयूटीयूसी के राज्य अध्यक्ष कामरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश की मिड डे मील कर्मियों को महज 10 माह का मानदेय मिलता है। वह भी महज 7 हजार रूपये है।

अधिकारी समाधान शिविर में रहे मौजूद: उपायुक्त

चरखी दादरी। उपायुक्त के निर्देशों पर सीटीएम डॉ सुभाष चन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर के दौरान सोमवार को विभिन्न शिकायतें प्राप्त हुई। सभी शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उन्होंने संबधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही इस समाधान शिविर का प्रमुख उद्देश्य है। शिविर की शिकायतों का संबंधित अधिकारी मौके पर ही समाधान करें।

गांव मानहेरू में शीशपाल की अध्यक्षता और खाप के अध्यक्ष मास्टर सरवर की अगुवाई में हुआ कार्यक्रम

परमार खाप-84 ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार को किया सम्मानित

■ मीना परमार ने खाप-84 ही नहीं पूरे समाज को गौरविंत किया : सरवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश सरकार द्वारा मीना परमार को महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति देने के बाद समाज के लोगों में जबरदस्त खुशी का माहौल है। इसी क्रम में सोमवार को परमार खाप-84 ने नवनियुक्त उपाध्यक्ष मीना परमार को गांव मानहेरू में कार्यक्रम का आयोजन कर सम्मानित किया।

साथ ही खाप के वक्ताओं व पदाधिकारियों ने कहा कि मीना परमार ने खाप-84 ही नहीं पूरे समाज को गौरवंतित कर दिया। वहीं समाज के लोगों ने मीना परमार की नियुक्ति पर प्रदेश सरकार व सीएम नायब सैनी का आभार जताया और कहा कि सीएम नायब सैनी ने इतना बड़ा ओहदा देकर समाज को पूरा मान व सम्मान दिया है। गांव मानहेरू में परमार खाप-84 द्वारा शीशपाल की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन खाप के अध्यक्ष मास्टर सरवर की अगुवाई में हुआ।

इस मौके पर हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के जिला अध्यक्ष डॉ बृजपाल सिंह पप्पू विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खाप की तरफ से नवनियुक्त उपाध्यक्ष मीना परमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

भिवानी। महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मेहनत का मिला इनाम

आयोजित सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि मीना परमार ने उस समय भाजपा के झंडे का बुलंद किया था, तब भाजपा की सरकार ही नहीं,बल्कि पार्टी भी ज्यादा सक्रिय नहीं थी। उस वक्त से पार्टी की मजबूती के लिए काम करना आंरभ किया। पार्टी की मजबूती के लिए दिनरात मेहनत की। मेहनत की बदौलत पार्टी आज प्रदेश ही नहीं ,पूरे देश में परचम फहरा रही है। मीना परमार ने पार्टी मजबूती के लिए जो मेहनत की। उस मेहनत का पार्टी ने उक्त पद देकर इनाम दिया है। इनकी इस पद पर ताजपौशी होने के बाद महिलाओं के अधिकारों का और विस्तार व प्रचार होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर चित्रपाल सिंह मानहेरू, सुभाष परमार मधमाधवी, नरेश परमार मधमाधवी, गजराज सिंह परमार, विजेंद्र सिंह, मान सिंह, नेपाल सिंह खरक, कुलदीप फूलपुरा, संदीप परमार रानीला, धीरज सिंह, विष्णु मानहेरू,महाबीर सिंह दलाल, कैप्टेन विजय सिंह, मान सिंह कलिंगा, मनोज परमार, मांगेराम, चांद सिंह, छाजु सिंह परामर, हरिओम, कृष्ण परमार व ऋषि परमार के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने खोला मोर्चा

दबाव की नीति से बीएलओ परेशान 24 घंटे में दो बार मांगी जा रही रिपोर्ट

शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ : विद्यार्थियों की पढ़ाई राम भरोसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा में शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के अधिकारों को लेकर एक बार फिर टकराव की स्थिति बन गई है। प्रदेश में 15 जून से शुरू हुए गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ (रजि.) ने कड़ा रोष प्रकट किया है। संघ का आरोप है कि इस कार्य के चलते जहां एक तरफ विद्यार्थियों की पढ़ाई पूरी तरह चौपट हो रही है, वहीं दूसरी तरफ फील्ड में तैनात शिक्षकों पर अधिकारियों द्वारा अमानवीय और अनावश्यक मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। इस संबंध में संघ की ओर से सोमवार को शहर में प्रदर्शन करते हुए चुनाव आयुक्त व प्रदेश सरकार के नाम मांगपत्र सौंपा। इस दौरान प्रदर्शन को सर्व कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपप्रधान सूरजभान जटासरा व जिला सचिव धर्मवीर सिंह भाटी, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान अजीत राठी, जिला सचिव सुमेर आर्य, लाजपत जाखड़, खंड प्रधान संजय गौरीपुर, अजय कुमार, संजय कुमार, राजेश कुंगड़, महेंद्र सिंह, संजय सिंह, राजबीर सिंह, पवन कुमार आदि नेताओं ने संबोधित किया। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्ज फैडरेशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों ने संयुक्त बयान में बताया कि गहन पुनरीक्षण कार्य में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की ड्यूटियां लगा दी गई है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि अनेक विद्यालय लगभग पूरी तरह से खाली हो गए है। जब शिक्षक ही स्कूलों में नहीं होंगे, तो विद्यार्थियों की पढ़ाई का प्रभावित होना लाजमी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानाचार्यों, पीजीटी और टीजीटी शिक्षकों को सुपरवाइजर तथा कंट्रोल रूम में नोडल अधिकारी बनाकर उन्हें मुख्य शैक्षणिक कार्य से दूर किया जा रहा है। इन नोडल अधिकारियों को हजारों फार्मों की ऑनलाइन और ऑफलाइन जांच तथा मिलान करने के अव्यावहारिक लक्ष्य सौंपे जा रहे हैं ।

चार-पांच दिनों के भीतर ही सभी गणना प्रपत्र वितरित करने का टारगेट दिया जा रहा

उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि एसआईआर के गणना प्रपत्रों को भरने के लिए पूरा एक महीना निर्धारित किया गया है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा बीएलओ पर अविश्वास जताते हुए चार-पांच दिनों के भीतर ही सभी गणना प्रपत्र वितरित करने का टारगेट दिया जा रहा है और दिन में दो-दो बार गूगल शीट के माध्यम से जबरन रिपोर्ट मांगी जा रही है।

अधिकांश मतदाता गणना प्रपत्र स्वयं भरने में सक्षम नहीं

इस मौके पर कर्मचारी नेताओं ने कहा कि अधिकांश मतदाता गणना प्रपत्र स्वयं भरने में सक्षम नहीं हैं, जिसके कारण त्रुटियों को ठीक करने और पूरा प्रपत्र भरने का सारा बोझ अकेले बीएलओ (शिक्षक) पर आ गया है। बिना किसी सहायक या तकनीकी कर्मचारी के यह कार्य अकेले करना बेहद कठिन और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाला है। बीएलओ पर बनाए जा रहे इसी तरह के मानसिक दबाव के कारण पूर्व में अन्य राज्यों से आत्महत्या जैसी कई दुखद और अमानवीय घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

न्यूज डायरी

श्रीश्याम तोरण द्वार पर लगाई मीठे पानी की छबील, राहगीरों को भीषण गर्मी में मिली राहत

भिवानी। जून महीने की रिकॉर्ड तोड़ तपिश और चिलचिलाती धूप के बीच जहां आम जनजीवन बेहाल है, वहीं भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में बीटीएम चौक स्थित श्रीश्याम तोरण द्वार के समीप श्रीश्याम वाटिका पर ठंडे व मीठे पानी की छबील का आयोजन किया। इस दौरान सैंकड़ों राहगीरों, रिक्शा चालकों, राह चलते मजदूरों और वाहन चालकों ने रुककर मीठा पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई और परोपकारी कार्य की सराहना की। श्री श्याम मंदिर के संस्थापक घनश्याम शर्मा ने समाज को सेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भीषण गर्मी में किसी प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। हमारे श्रीसनातन संस्कार हमें हमेशा दूसरों की मदद करना सिखाते हैं, हर साल की भांति बढ़ते तापमान और तपती धूप को देखते हुए मीठे पानी की छबील लगाई।

लोक कल्याण मेले में रेहड़ी-पटरी वेंडर्स एवं छोटे दुकानदारों को दी पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार नगर निगम आयुक्त हरबीर सिंह के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बीटीएम चौक पर लोक कल्याण मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व बैंक ऑफ बडोदा ने मेले में रेहड़ी-पटरी वेंडर्स एवं छोटे दुकानदारों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योजना का लाभ लेने में आने वाली समस्याओं का समाधान भी किया। मेले में एलडीएम राजन मल्होत्रा, बैंक अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि योजना के तहत पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को बिना गारंटी 15 हजार रुपये, 25 हजार रुपये तथा 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

करोड़ों रुपये की लागत से जिले में बनवाए जा रहे दर्जनों स्वास्थ्य केंद्र

तोशाम। जिला परिषद द्वारा जिले में करीबन 37 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि खर्च करके करीबन 39 गांव में स्वास्थ्य केंद्र बनाए जा रहे हैं। जिससे आगामी समय में भिवानी जिले में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। भिवानी जिला परिषद कार्यालय एवं चेयरपर्सन अनिता मलिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवानी जिले के गांव रेवाड़ी खेड़ा, दांग कला, सागवान, गागड़वास, कुड़ल, पातवान, गोपालवास, नुनसर, बहल, लेघा, लोहानी, देवसर, गुजरानी, मिताथल, मुंढाल कला, मुंढाल खुर्द, घुसकानी, सिवाड़ा, बड़सी-2, जाट्टू लोहारी, सिप्पर, कीरावड़, खानक, भेरा, मंढाण, चंद चांदवास, बड़सी-1, इंदीवाली, दुर्जनपुर, मंडाना, हालुवास माजरा, बड़सी-2, दूल्हेड़ी, बलियाली, ओबरा, बामला, मानेहरू आदि गांव में स्वास्थ्य केंद्र बनवाए जा रहे हैं।

लोगों के बेवजह चक्कर ना लगवाकर संभव कार्य को अतिशीघ्र करें: डीएमसी

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में डीएमसी हरबीर सिंह की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। समाधान शिविर में बापोड़ा निवासी बुजुर्ग महिला संतरा ने विरासत इंतकाल करवाने की शिकायत पर डीएमसी ने राजस्व विभाग के अधिकरियों को निर्देश दिए कि वे लोगों के बेवजह चक्कर न लगवाएं और जो कार्य होने संभव हैं, उनको शीघ्र करें ताकि किसी को परेशानी ना हो। नया बाजार निवासी ईश्वर द्वारा रखी गई बिजली मीटर लगाने में अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने संबंधित समस्या की सुनवाई करते हुए डीएमसी ने संबंधित कर्मचारी के विरूद्घ विभागीय कार्रवाई अमल में लाने की चेतावनी दी। डीएमसी के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने तालू लिंक ड्रेन से सरकंडों एवं झाड़ियों की सफाई करवाने, बडेसरा निवासी हवा सिंह ने खेत के लिए रास्ता दिलवाने तथा सेक्टर-13 निवासी रामकिशन शर्मा ने जर्जर मकान का सर्वे करवाने एवं ट्रांसफार्मर लगवाने, गैर सरकारी सदस्य सुनील वर्मा नंबरदार ने भिवानी शहर में खाद्य सामग्री में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करवाने, हालू मोहल्ला निवासी रवि कुमार ने चोरी के मामले में पुलिस कार्रवाई करवाने, गैरसरकारी सदस्य अनिल सोलंकी ने नॉर्दन रेलवे पुल के साथ सर्विस रोड़ का सही ढंग से निर्माण करवाने तथा गैरसरकारी सदस्य रामकिशन हलवासिया ने हालूवास में पेयजल समस्या के समाधान करवाने की शिकायत रखी।

चारधाम यात्रा 2026 के लिए पंजीकरण अनिवार्य, प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की

भिवानी। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा-2026 के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी करते हुए श्रद्धालुओं से यात्रा से पहले अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने की अपील की है। यात्रा के तहत यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा एवं सुगम यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण व्यवस्था लागू की गई है। डीसी साहिल गुप्ता ने उत्तराखंड सरकार की एडवाइजरी के बारे में बताया कि जिले से चार धाम की यात्रा पर जाने से पहले यात्रियों को आधार प्रमाणीकरण के साथ पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद यात्रियों को क्यूआर कोड युक्त रजिस्ट्रेशन पत्र और यूनिक आईडी उपलब्ध कराई जाएगी। धामों में प्रवेश से पहले दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा तथा दर्शन टोकन जारी किए जाएंगे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर्यटन स्थल पर बनेगा योग के लिए शैड, चार लाख होंगे खर्च

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर्यटन स्थल पर योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष शैड का निर्माण कराया जाएगा। इस कार्य पर लगभग चार लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। शैड बनने के बाद यहां नियमित रूप से योग करने वाले लोगों को मौसम की मार से राहत मिलेगी और वर्षभर सुविधाजनक वातावरण में योग गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। नगर पालिका द्वारा इसका टेंडर जारी कर दिया गया है और ठेकेदार द्वारा भी इस कार्य को शुरू कर दिया है। नगर पालिका प्रशासन की ओर से पर्यटन स्थल के विकास को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब योग प्रेमियों और सुबह-शाम सैर करने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नपा के इस निर्णय से लोगों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पर्यटन स्थल पर बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं और युवा प्रतिदिन सैर के लिए पहुंचते हैं हांलाकि इसकी व्यवस्था के सुधार की जरूरत है।

जयंती समारोह रद्द करने पर धानक समाज में रोष, सरकार को दी चेतावनी

■ विधायक सर्राफ ने मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल को मिलवाने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बावड़ी गेट स्थित शिव धर्मशाला में धानक समाज की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट सज्जन खनगवाल ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य 29 जून को भिवानी में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय संत शिरोमणि कबीर साहब जयंती समारोह को सरकार द्वारा अचानक रद्द किए जाने पर कड़ा विरोध जताना और आगामी रणनीति तैयार करना था।

इस दौरान धानक समाज के वरिष्ठ नेता भगवानदास कालिया ने सरकार के फैसले पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे सर्वसमाज का अपमान बताया। हालांकि बाद में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक घनश्याम सर्राफ से मुलाकात की, जिसके बाद उपजे विवाद पर सकारात्मक सहमति बनती दिखी।

भिवानी। विधायक घनश्याम सर्राफ से मिलने जाते धानक समाज के लोग।

इस मौके पर धानक समाज के नेता भगवानदास कालिया ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर होने वाले इतने बड़े आयोजन को आखिरी वक्त पर रद्द करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि कबीर साहब किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरी मानवता और सर्व समाज के पथ-प्रदर्शक हैं। भिवानी में होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को अचानक रद्द करके सरकार ने करोड़ों लोगों की आस्था और सर्वसमाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। सरकार ने इस जनविरोधी फैसले को वापस नहीं लिया तो धानक समाज चुप नहीं बैठेगा और सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लगातार विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होगा। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक सुर में भगवानदास कालिया के इस बयान का समर्थन किया और साफ किया कि समाज अपने संतों के सम्मान के लिए कोई भी समझौता नहीं करेगा।

शिव धर्मशाला में विरोध की रणनीति तैयार करने के उपरांत सोमवार को धानक समाज का प्रतिनिधिमंडल विधायक घनश्याम सर्राफ से उनके निवास स्थान पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को समाज की नाराजगी और रोष से अवगत करवाया। विधायक सर्राफ ने सकारात्मक रुख अपनाया।

आदर्श ब्राह्मण सभा ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला जला जताया रोष

भिवानी। गरीबों, अनुसूचित जाति, आदिवासियों, पिछड़ों की आवाज उठाने वाले बेगूसराय के ब्राह्मण समाज के सामाजिक क्रांतिकारी भरत तिवारी के फर्जी एनकाउंटर पर आदर्श ब्राह्मण सभा भिवानी ने गहरा असंतोष जताते हुए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला जलाया तथा केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से मामले में दखल देकर पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। आदर्श ब्राह्मण सभा भिवानी अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा की अगवाई में स्थानीय रोहतक गेट पर मुख्यमंत्री पुतला दहन पर सभा संरक्षक आर के शर्मा ने बताया केंद्र और राज्य सरकारें ईमानदारी से 36 बिरादरी की अगुवाई व सनातन की रक्षा करने वाले (ब्राह्मण) स्वर्ण समाज के 80 प्रतिशत वोट लेकर सरकार बनती हैं और सरकार बनाने के बाद पार्टियों पर कब्जा कर स्वर्ण समाज को ही फर्जी एनकाउंटर, यूजीसी, एससी एसटी एक्ट आदि के बहाने बनाकर उन्हें ही गालियां और गोलियां कर प्रताड़ित करती रहती है। उन्होंने कहा अब हम सरकार की दमनकारी नीतियों से अत्यंत परेशान हो चुके है। मुख्यमंत्री हमारी चिताओं और अपनी भाषा के लिए तुरंत माफी मांग कर भरत तिवारी के फर्जी एनकाउंटर के दोषी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको सजा दिलाए तथा भारत तिवारी के परिवार को सुरक्षा, आर्थिक सहायता और तिवारी को शहीद का दर्जा देकर पूरे देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को रोके। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष सुभाष कायला, प्रधान जेपी कौशिक, ललित लेघा, जय भगवान जाटू लोहारी, रामचंद्र तिवारी, सुरेंद्र शर्मा, रामफल सावड, रामवीर शर्मा, सतवीर शर्मा उमरावत, रघुवीर शर्मा, मदन शर्मा, प्रवेश रानीला, वेद प्रकाश मास्टर आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

ऑनलाइन सेवाओं की समयबद्धता एवं सुविधा स्तर करें बेहतर : संदीप

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार ने विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को प्रदान की जा रही ऑन लाइन सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं सुविधा स्तर की विभागवार विस्तार पूर्वक जानकारी लेकर अधिकारियो और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यालयों में प्रतिदिन सफाई करके परिसर को साफ सुथरा रखे, इसमें किसी प्रकार कोताही बर्दाशत नहीं होगी। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विभागों और सरल केंद्र में आने वाले प्रत्येक नागरिक को बिना किसी परेशानी के निर्धारित समय सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जबाब देह प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीएम ने पेपर लैस रजिस्ट्रेशन, जमाबंदी, प्रतीक्षा कक्ष, कार्यालयों में काम आने वाले लोगों के बैठने की सुविधा, साफ-सफाई, संबंधित काउंटर पर सूचना पट्ट लगाने तथा कर्मचारियों की कार्यप्रणाली बारे जानकारी लेकर निर्देश दिए कि नागरिकों के साथ शालीनता और सहयोगात्मक व्यवहार का पालन करें।

भौतिक सुखों में नहीं, प्रभु सिमरन में हैं दु:खों का वास्तविक निवारण: फकीरानंद

■ विधायक कार्यालय में सत्संग व दु:ख निवारण समागम में उमड़ा जनसैलाब

भिवानी। बाग कोठी स्थित विधायक घनश्याम सर्राफ के कार्यालय परिसर में आयोजित भव्य सत्संग एवं दु:ख निवारण समागम सोमवार को भी पूर्ण श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ जारी रहा। पंजाब के पठानकोट स्थित रामदेव आश्रम से पहुंचे स्वामी फकीरानंद महाराज के सान्निध्य में चल रहे समागम में भिवानी सहित आस-पास के तमाम क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ रहा है। आध्यात्मिक समागम में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने भी विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने महाराज के चरणों में वंदन कर उनका पावन आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। स्वामी फकीरानंद महाराज ने कहा कि आज इंसान भौतिकता की अंधी दौड़ में दौड़ रहा है, जिससे उसे क्षणिक सुख तो मिल सकता है, लेकिन स्थायी शांति नहीं। उन्होंने कहा कि मनुष्यों का यह अनमोल जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाएं और धन-दौलत जुटाने के लिए नहीं मिला, बल्कि इसका वास्तविक ध्येय आत्मिक शांति, आत्म-कल्याण और परमार्थ है। संसार में रहते हुए इंसान जिन दु:खों और चिंताओं से घिरा है, उनका वास्तविक निवारण केवल और केवल ईश्वर की सच्ची भक्ति, सिमरन और सत्संग के माध्यम से ही संभव है। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि संतों की संगति और उनके विचार भटके हुए समाज को सही दिशा दिखाने का काम करते हैं, आज के इस दु:ख निवारण समागम से जो सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति का संदेश मिल रहा है, वह हर नागरिक के जीवन से दु:खों का नाश करेगा। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, प्रेमलता सर्राफ, अमन सर्राफ, महेंद्र लोहिया, सोनू गोयल, आशा सैनी, सत्यनारायण गुज्जर, सुखविंद्र दुहन, डॉ. सुनीता दुहन, आनंद तंवर व ललित चौहान आदि मौजूद रहे।

पत्रकारवार्ता | कांग्रेसियों ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा

नीट परीक्षा विवाद पर कांग्रेसियों ने सरकार पर बोला हमला, आयोजन को लेकर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

देशभर में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होने वाली नीट परीक्षा भले ही संपन्न हो चुकी हो, लेकिन इसको लेकर मचा राजनीतिक बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को तिलक भवन में कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी और शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने संयुक्त पत्रकारवार्ता बुलाई।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने नीट परीक्षा में हुई कथित धांधलियों और पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पुरजोर मांग की। दोनों जिला अध्यक्षों ने परीक्षा के आयोजन के तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के आयोजन एवं प्रश्नपत्रों को लाने-ले जाने के लिए भारतीय वायुसेना की मदद लेनी पड़ी, वह इस बात का सीधा प्रमाण है कि देश का नागरिक प्रशासनिक एवं शिक्षा ढांचा पूरी तरह चरमरा चुका है।

नेताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया कोटा दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कोटा में कोचिंग ले रहे परीक्षार्थियों के बीच जाकर उनकी जमीनी आवाज को उठाया है।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी। फोटो : हरिभूमि

छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेला

अनिरूद्ध चौधरी व प्रदीप गुलिया ने आरोप लगाया कि स्थिति देश के शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाती है,क्योंकि सरकार पारदर्शी एवं सुरक्षित परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में हुए कथित घोटालों और पेपर लीक की खबरों ने देश के लाखों प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है।

खबर संक्षेप

नाटक के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

चरखी दादरी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर परिषद द्वारा शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर चार बिन-एक आदत अभियान के तहत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यालय से आई टीम द्वारा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता एवं कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रोज गार्डन तथा पुरानी अनाज मंडी के निकट मंगल मार्केट में आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में लगभग 800 से अधिक नागरिकों ने भाग लेकर स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

अब पेपरलेस होगा रजिस्ट्री का कार्य

चरखी दादरी। प्रदेश के लोगों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक अहम प्रक्रिया की शुरूआत करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार 23 जून को पेपरलेस रजिस्ट्रेशन कार्य के दूसरे चरण का शुभारंभ करेंगे। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि पिछले साल मुख्यमंत्री द्वारा पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के पहले चरण की शुरूआत की गई थी, अब आठ माह तक इसके सफल संचालन और लोगों के सुझाव के साथ इस प्रक्रिया के दूसरे चरण का शुभारंभ होने जा रहा है। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार 23 जून को इसकी शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली प्रणाली जैसी शुरूआत होने ने एक नए युग का आगाज होगा।

एसआईआर के दौरान हो सकती है साइबर ठगी

चरखी दादरी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने जिला के नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की वित्तीय या साइबर धोखाधड़ी से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का कार्य जारी है और इसके लिए नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला के सभी मतदाता यह सुनिश्चित करें कि वे केवल अधिकृत बीएलओ को ही आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं तथा किसी भी अनजान व्यक्ति, फर्जी कॉल या संदिग्ध संदेश के झांसे में न आएं।

कंपनी ने 22 एकड़ जमीन अपने नाम करवाई

चेक बांउस होने पर कंपनी अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की उठाई मांग

- नौरंगाबाद के 38 किसानों के साथ धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

नौरंगाबाद के 38 किसानों की दीप ग्लोबल नाम की कंपनी द्वारा 22 एकड़ जमीन हड़पने का मामला उजागर हुआ है। उक्त कंपनी के अधिकारियों के विरुद्ध किसानों के साथ की गई धोखाधड़ी के विरुद्ध अखिल भारतीय किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश के नेतृत्व में नौरंगाबाद के किसान पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व एसडीएम महेश कुमार से मिले और धोखाधड़ी करने वाली कम्पनी के अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन सौंपा। दोनों उच्च अधिकारियों ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनके साथ न्याय किया जाएगा तथा किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि दिसंबर माह 2025 में उक्त कम्पनी ने बामला गांव के 38 किसानों की 22 एकड़ जमीन 1.5 करोड़ रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदने का वादा किया था और मालिक किसानों को जमीन मूल्य के हिसाब से उक्त राशि के बदले में चेक दिए थे। गांव के किसानों ने बिचौलियों व कंपनी अधिकारियों पर विश्वास करके जमीन कंपनी के नाम रजिस्ट्री करवा दी और जब विक्रेता किसानों ने कंपनी द्वारा दिए चेक अपने बैंक खातों में जमा करवाए तो सभी चेक बांउस हो गए और कंपनी के अधिकारियों ने किसानों के फोन उठाना भी बंद कर दिए। उक्त कम्पनी द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी करने से पीड़ित किसानों ने दुःखी होकर जिला प्रशासन के सामने अपनी व्यथा रखी है।

भिवानी। एसडीएम महेश कुमार को ज्ञापन सौंपते कामरेड ओमप्रकाश व अन्य किसान।

किसानों की रजिस्ट्री वापसी की मांग

मंगलवार को सभी किसान उपायुक्त से मिलकर वापस रजिस्ट्री किसानों के नाम करवाने की अपील करेंगे, क्योंकि कंपनी की तरफ से किसानों को एक पैसा का भुगतान नहीं किया गया है। किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि उनका संगठन किसानों के साथ धोखाधड़ी नहीं होने देगा और भिवानी में होने वाली 25 जून की महापंचायत में भी ये मुद्दा उठाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने को लेकर संघर्ष करेगा। किसान प्रतिनिधिमण्डल में जयबीर तंवर, नरेंद्र तंवर, एडवोकेट ज्योति, सुरेन्द्र परमार, वीरेन्द्र परमार, अनिल परमार, नरेश परमार, कमल परमार, जयहिन्द तंवर, अशोक परमार, बहादुर परमार, रतनी देवी व नाथुवास के पूर्व सरपंच आजाद सिंह आदि शामिल थे।

तोशाम। एसडीएम कार्यालय के बाहर अमेरिकी ट्रेड डील की प्रतियां फूंकते किसान।

एसडीएम कार्यालय पर सातवें दिन भी गरजे किसान, फूंकी अमेरिकी ट्रेड डील की प्रतियां

- कॉरपोरेट के फायदे के लिए किसानों के हकों पर चौतरफा डाका डाल रही सरकार : जोगेंद्र

तोशाम। हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के नाम पर किसानों की कीमती एवं उपजाऊ जमीनों को कौड़ियों के भाव हड़पने के खिलाफ अन्नदाताओं का गुस्सा अब सातवें आसमान पर पहुंच गया है। सरकार, प्रशासन और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के कथित नापाक गठजोड़ और मुआवजे में हुए बड़े हेरफेर के खिलाफ कस्बा तोशाम स्थित एसडीएम कार्यालय के समक्ष चल रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को सातवें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहा। इस दौरान किसानों का गुस्सा उस समय और भड़क गया, जब धरनास्थल पर अमेरिका ट्रेड डील की प्रतियां फूंककर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही कॉरपोरेट साठगांठ का पुरजोर विरोध किया। सोमवार को धरने की अध्यक्षता ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के संगठन महामंत्री राजपाल चाहर व संचालन जिला प्रधान भागूराम तोशाम ने किया। मोर्चा और पावरग्रिड बनाम किसान संघर्ष समिति के बैनर तले एकजुट किसानों को संबोधित करते हुए मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने कहा कि यह सब एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है।

तोशाम। मांगों को लेकर तोशाम में आयोजित पंचायत में उपस्थित लोग।

किसानों ने समस्याओं को लेकर तय की रणनीति

- ग्राम सचिवालय में अखिल भारतीय किसान सभा की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

गांव मीरान के ग्राम सचिवालय में सोमवार को अखिल भारतीय किसान सभा की एक बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता तहसील प्रधान कर्ण सिंह ने की व मंच संचालन सचिव नरेंद्र सिंह डाडम व वित सचिव रणधीर सागवान ने किया। इस दौरान बैठक में किसान सभा जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने उपस्थित व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि खाद, डीएपी व यूरिया की आज भारी किल्लत है क्योंकि बारिश होने से किसानों को अब फसले बोने के लिए खाद बहुत जरूरी है। उनका कहना था कि खाद के लिए मीरान सोसायटी में गए वहां खाद उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने बताया सोसायटी यानि बैंक मैनेजर जगदेव ने कहा कि हमने खाद की ऊपर डिमांड भेज रखी है खाद आते ही उपलब्ध करा करदी जाएगी और किसान नेताओं ने खाद डिमांड की कॉपी भी ली। इस दौरान उन्होंने बिजली की हाईटेंशन पावर ग्रिड टावर लाइन के मुआवजे पर चर्चा की किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा व तारों के नीचे की जमीन का वार्षिक रॉयल्टी मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि पीसीएस वित सचिव आश्वासन के बाद किसानों का बीमा क्लेम क्षेमा कंपनी का भिवानी जिले का ढाई सौ करोड़ बीमा का फैसला को आज 20 दिन हो गए हैं अभी तक किसी किसान के खाते में बीमा क्लेम नहीं आया है। अखिल भारतीय किसान सभा मांगे करती है कि क्षेमा कंपनी से दबाव दे कर बीमा किसानों को जल्द से जल्द बीमा क्लेम दिलवा जाए।

पानी संकट गहराया

इसी तरह कई गांव व शहर व कस्बों में पीने के पानी का संकट बरकरार है। नहरों में 42 दिनों में पानी आता है, सिर्फ वाटर टैंकों व तलाबों में तीन दिन पानी चलता है, जिससे वे भर नहीं पाते, इसलिए कम से कम एक सप्ताह पानी चले, यह हमारी मांग है। उनका कहना था कि इन विभिन्न मांगों के लिए आगामी 25 जून को अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा की ओर से प्रातः 11 बजे नेहरू पार्क भिवानी में इकट्ठे होकर सिंचाई मन्त्री श्रुति चौधरी के कैंप आफिस का घेराव करेंगे तथा ज्ञापन सौंपकर उपरोक्त समस्यायों के समाधान पर बातचीत करेंगे।

धर्मवीर नागर संस्कृति रत्न अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने धर्मवीर सिंह नागर के सामाजिक कार्यों व युवाओं को संस्कृति से प्रेरित करने के कार्यों को देखते हुए संस्कृति रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया। वहीं संस्कृति गौरव अवार्डी एवं लोकगायक कप्तान सिंह बिसानिया को भी सम्मानित किया। कौशिक ने बताया कि धर्मवीर नागर संगठन के मंच संचालक होने के साथ-साथ अनेक सामाजिक व आध्यात्मिक संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भिवानी। धर्मबीर नागर को संस्कृति रत्न अवार्ड से सम्मानित करते आयोजक।

नशा से बचने के लिए किया जागरूक

कौशिक ने कहा कि धर्मबीर नागर युवाओं में अच्छे संस्कार पैदा करने के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं, हमें इनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का युवा नशे की तरफ बढ़ रहा है, जिसके भविष्य में गंभीर परिणाम देखने को मिलेंगे, इसलिए समय रहते हमें अपने बच्चों को नशे से दूर रखना होगा। उन्होंने कहा कि नशा नाश की जड़ हैं, जिससे युवा एवं उनके पूरे परिवार का भविष्य अंधकारमय हो जाता हैं। इस मौके पर संगठन की महिला विंग प्रधान डॉ. सुशीला जांगड़ा, महिला विंग प्रदेश प्रभारी सुदेश, हांसी जिला प्रभारी मीना शर्मा, डॉ. सुरेन्द्र कादियान आदि मौजूद रहे।

किसानों ने ट्यूबवेल निजीकरण के खिलाफ विरोध जताया

- एसडीएम को ज्ञापन सौंपा चार हजार हस्ताक्षरों के साथ मुख्यमंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढड़ा

बिजली विभाग द्वारा ट्यूबवेलों के निजीकरण के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने बीडीपीओ के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर कहा कि निजि कंपनियों के दबाव में किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और किसानों की मांगों को नहीं माना गया तो बड़े स्तर पर रोष प्रदर्शन किया। सोमवार को बाढड़ा स्थित किसान भवन में जिला अध्यक्ष हरपाल भांडवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के बाद किसानों ने रोष मार्च निकाल कर एसडीएम बाढड़ा की गैरमौजूदगी में बीडीपीओ दीपक शर्मा के माध्यम से मु2यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर ट्यूबवैलों को निजि कंपनी को देने के फैसलें वापस लेने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो निजी कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्यूबवेलों तक नहीं पहुंचने दिया जाएगा। बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि सरकार की नीतियां लगातार किसानों के हितों के खिलाफ जा रही हैं।

बाढड़ा। निजी कम्पनी को सौंपे जाने के विरोध में नारेबाजी करते हुए।

हस्ताक्षर करवाए

ट्यूबवेलों को निजी कंपनियों के हवाले करने का फैसला किसानों के लिए नुकसानदायक साबित होगा। इसके विरोध में जिले के विभिन्न गांवों के करीब पांच हजार किसानों के हस्ताक्षर करवाकर सरकार तक अपना विरोध दर्ज कराया गया है। किसान यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि इतिहास गवाह है कि किसानों से टकराने वाली सरकारें दोबारा सत्ता में नहीं लौट पाई हैं। इसलिए सरकार को किसानों की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह फैसला तुरंत वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

मुंढाल में योग प्रशिक्षण शिविर लगाया

बवानीखेड़ा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गांव मुंढाल के मुख्य खेल मैदान में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुष योग सहायक कुलदीप सिंगल और मंजीत ढुल ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योग क्रियाओं, आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन संतुलित रहता है। वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन कुछ समय योग और प्राणायाम के लिए निकालने तथा योग शिविर प्रशिक्षण कार्यक्रमो में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम का आयोजन जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. निशा तथा जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. संजय वैद्य के मार्गदर्शन में किया गया।

बालसेवा आश्रम में मनाया योग दिवस

- 11 पौधों का किया रोपण, 50 से अधिक लोगों की आंखों की हुई मुफ्त जांच

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गत 21 जून को बाल सेवा आश्रम में नगर की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर कार्यक्रम किया। इस संयुक्त आयोजन में बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, बालसेवा आश्रम, भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति, सेंटर फॉर साइट और पतंजलि योग समिति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत योग सत्र से हुई, जिसमें पतंजलि के योग शिक्षक सुरेंद्रपाल बडेसरा ने आयुष मंत्रालय के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपस्थितजनों को योग, आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया।

निरोग रहने का सबसे सहज उपाय योग एवं ध्यान : पवन बुवानी वाला

भिवानी। 12 वे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भिवानी शहर स्तिथ वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में एक दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित योग शिविर में विद्यालय के छात्र – छात्राओं ने अपने शिक्षको के साथ योग किया। स्कूल स्तर पर इस कार्यक्रम का आयोजन बच्चों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 जून को किया जाता है । योग दिवस कार्यक्रम में वैश्य इंटरनेशनल स्कूल के महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला ने बतौर मुख्य अतिथि योग शिविर में शिरकत की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ ने योग गुरु की भूमिका निभाई व योग से प्राप्त लाभों के बारे में बताया।

नशामुक्ति एवं पर्यावरण का दिया संदेश

- गांव बामला के वमा स्कूल में योग दिवस एवं समर कैंप संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव बामला स्थित वीर शहीद नायक शीशपाल सिंह राजकीय वमा विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर समुदाय व विद्यालय परिवार के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान न केवल योग की महत्ता को रेखांकित किया, बल्कि सामाजिक व पर्यावरणीय चेतना जगाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्या सत्येन्द्र कुमारी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं सजगता का संदेश दिया। योग सत्र के दौरान प्राध्यापिका सुमन सहरावत ने विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास करवाया। उन्होंने नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। विद्यालय के लीगल लिटरेसी क्लब एवं एनएसएस के प्रभारी नरेन्द्र कुमार श्योराण के नेतृत्व में छात्रों के बीच नशीले पदार्थों के खिलाफ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई।

भिवानी। स्कूल में योगाभ्यास करते शिक्षक व विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

ओबीसी के हक पर डाका डाला तो अपनाएंगे कड़ा रुख: दीपक

राष्ट्रव्यापी आह्वान पर भिवानी में गरजा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को पूरे देश सहित भिवानी जिला मुख्यालय पर ओबीसी समाज का गुस्सा फूट पड़ा। जनगणना के पहले चरण में ओबीसी के आंकड़े अलग से दर्ज न करने के विरोध में पूर्व घोषित चरणबद्ध आंदोलन के तहत शुक्रवार को भिवानी में रोषपूर्ण रैली और जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान भारी तादात में एकत्रित पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने सरकार की ओबीसी विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए लघु सचिवालय पहुंचे तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

भिवानी। डीसी के पीए को ज्ञापन सौंपते पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी व सदस्य।

जनगणना पर विवाद

मोर्चा के जिला संयोजक दीपक जांगड़ा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए बेहद कड़े और रोषात्मक लहजे में सरकार और प्रशासनिक तंत्र पर निशाना साधा। सरकार जनगणना के प्रथम चरण में हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया के दौरान पारिवारिक कैटेगरी की जानकारी तो ले रही है, लेकिन जान बूझकर उसमें केवल तीन ही पर्याय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य दिए गए है, जिसमें ओबीसी का कोई अलग विकल्प ही नहीं रखा गया है, जो सीधे तौर पर देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सोची-समझी बड़ी धोखेबाजी है।

BANWARI LAL JINDAL SUIWALA COLLEGE
TOSHAM (BHIWANI)
Govt. Aided College affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani
Website: www.bljscollege.com

Applications are invited for the posts of Assistant Professor for Undergraduate & Postgraduate courses on regular basis under Self-Finance Scheme (SFS) and on contractual basis with consolidated salary for the academic session 2026-27 in the subjects as below:

Regular Base Posts Under SFS
- Commerce - 3
- Mathematics - 3
- Chemistry - 3
- Physics - 3
- History - 3
- Hindi - 1

Posts on Contract Basis
- Geography - 1
- Psychology - 1
- Health and Physical Education - 2
- English - 2
- Computer Science - 3
- Political Science - 1
- B.B. A - 2

The eligibility and qualifications as per latest norms/guidelines notified by UGC/DGHE/CBLU Bhiwani. The application along with supporting documents should reach to the office of Principal, BLJS College Tosham-127040 (Distt. Bhiwani) within 21 days from the date of this advertisement. The subject wise date of interview will be uploaded on the college website www.bljscollege.com. No TA/DA will be paid to attend the interview.

Note :-
1. Candidates may download the Application Form from the College website i.e. www.bljscollege.com.
2. A copy of the same application should be sent to The Dean of Colleges, CBLU Bhiwani before last date.

PRESIDENT PRINCIPAL